SEAL

RSM-08

Optional Paper

Sanskrit Literature - II

संस्कृत साहित्य - II

Total Pages : **32**

Time : **3** Hours

Maximum Marks : **200**

Answer Booklet No. 200194

Roll No. ______________________
(In Figures)

Roll No. ______________________
(In words)

(Signature of the Invigilator)

(Signature of the Candidate)

FOR EXAMINER'S USE ONLY

Marks Obtained					
PART - A		PART - B		PART - C	
Q. No.	Marks Obtained	Q. No.	Marks Obtained	Q. No.	Marks Obtained
1		21		33	
2		22		34	
3		23		35	
4		24		36	
5		25		37	
6		26		38	
7		27		39	
8		28			
9		29			
10		30			
11		31			
12		32			
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
Total		Total		Total	

Marks Obtained :

Part - A :

Part - B :

Part - C : ______________

Total : ______________

(Marks in Words)

(Signature of Examiner) (Signature of Head Examiner)

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Write your Roll Number in the space provided on the Top of this page.
2. Read the instructions given inside carefully.
3. Two pages are attached at the end of the Test Booklet for rough work.
4. You should return the Test Booklet to the Invigilator at the end of the examination and should not carry any paper with you outside the examination hall.
5. A candidate found creating disturbance at the examination centre or misbehaving with Invigilation Staff or cheating will render himself liable to disqualification.

SEAL

SEAL

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश

(1) पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिये।

(2) अन्दर दिये गये निर्देश ध्यानपूर्वक पढ़ें।

(3) उत्तर–पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिये दो पेज (Pages) दिये हुए हैं।

(4) आपको परीक्षा के समय की समाप्ति पर उत्तर–पुस्तिका को निरीक्षक महोदय को लौटाना होगा और परीक्षा भवन से बाहर जाते समय कोई भी कागज अपने साथ नहीं ले जाना होगा।

(5) यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र पर व्यवधान उत्पन्न करता है या वीक्षण स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार करता है अथवा वंचनापूर्ण कार्य करता है तो वह स्वयं ही अयोग्यता के लिये उत्तरदायी होगा।

This question paper contains 32 pages]

RSM-08

SANSKRIT LITERATURE

संस्कृत साहित्य

Paper - II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 200

महत्वपूर्ण निर्देश

(a) प्रश्न-पत्र "अ", "ब" और "स" तीन भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में से किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस भाग में अंकित किये गये हैं।

(b) उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक भाग के समस्त प्रश्नों के उत्तर क्रमवार देने चाहिये तथा एक भाग में दूसरे भाग के उत्तर नहीं मिलाने चाहिये। एक भाग में दूसरे भाग के प्रश्न के उत्तर लिखे जाने पर, ऐसे प्रश्न को जाँचा नहीं जायेगा।

(c) अभ्यर्थियों को भाग "अ", "ब" और "स" में अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक में नहीं लिखने चाहिये। इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।

(d) अभ्यर्थी द्वारा उत्तर पुस्तिका के अन्दर अथवा बाहर पहचान चिह्न यथा-रोल नम्बर/नाम/मोबाईल नम्बर/टेलिफोन नम्बर या अन्य कोई निशान इत्यादि लिखे जाने अथवा अंकित किये जाने को अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा। आयोग द्वारा ऐसा पाये जाने पर अभ्यर्थी की सम्पूर्ण परीक्षा में अभ्यर्थिता रद्द कर दी जायेगी।

भाग – अ अंक – 40

नोट : समस्त 20 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं। उत्तर 15 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

1. रामायण के रचयिता का नाम क्या है? इसमें कितने काण्ड तथा कितने पद्य हैं?

2. अश्वघोष की कृतियों के नाम एवं उनकी काव्यविधा लिखिए।

3. शूद्रक की रचना का नाम लिखते हुए उसकी नाट्यविधा बताइए।

4. वासवदत्ता की प्रमुख विशेषता का उल्लेख कीजिए।

5. बृहत्कथा की रचना, किस कवि ने किस भाषा में की?

6. आख्यानवल्लरी के रचयिता का नाम बताइए।

7. यण् सन्धि का द्योतक सूत्र सोदाहरण लिखिए।

8. भाव, भवितव्य, भावना, भूत शब्दों के प्रकृति–प्रत्यय लिखिए।

9. नैषधीयचरितम् की कथावस्तु का स्रोत कौन सा ग्रन्थ है?

10. भगवान, महत्व, पाश्चात्य तथा अन्तर्राष्ट्रीय के शुद्ध रूप लिखिए।

11. अष्टाध्यायी का प्रतिपाद्य विषय बताते हुए इसके प्रणेता का नाम लिखिए।

12. भारतीय जीवन को किन चार आश्रमों में विभक्त किया गया है?

13. भारतीय संस्कृति में किन तीन ऋणों को माना गया है?

14. किन्हीं चार स्मृतियों के नाम लिखिए।

15. भारतीय संस्कृति में विवाह के कितने प्रकार मान्य हैं? उनके नाम लिखिए।

16. नाट्यशास्त्र में कितने अध्याय हैं, तथा नाट्य शब्द का क्या अर्थ है?

17. जन्म के पूर्व के संस्कारों के नाम लिखिए।

18. 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' कथन किस आचार्य द्वारा किस ग्रन्थ में प्रस्तुत किया गया है?

19. आचार्य चाणक्य किस विषय के विद्वान् हैं? इनके प्रमुख ग्रन्थ का नाम लिखिए।

20. भवभूति ने कितने रूपक लिखे हैं? उनके नाम और नाट्यविधा भी बताइए।

भाग – ब अंक – 60

नोट : समस्त 12 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं। उत्तर 50 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

21. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक के नाम की सार्थकता सिद्ध करते हुए, इसके प्रतिपाद्य विषय को स्पष्ट कीजिए।

22. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अङ्क में कवि ने किस रस को पुष्ट किया है? स्पष्ट कीजिए।

23. नामकरण संस्कार का स्वरूप एवं महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

24. नाटक एवं प्रकरण का अन्तर बताते हुए इनके उदाहरण दीजिए।

25. महाकवि कालिदास को दीपशिखा क्यों कहा जाता है?

26. ब्राह्मण के प्रमुख कर्त्तव्यों पर प्रकाश डालिए।

27. महाकवि भासप्रणीत 'प्रतिज्ञायौगन्धरायण' नामक रूपक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

28. सन्धियों के प्रकार लिखिए।

29. परस्मैपद एवं आत्मनेपद का अन्तर समझाइए।

30. अकथितञ्च सूत्र की व्याख्या कीजिए।

31. भू लोट् मध्यम पुरुष, एध् लङ् उत्तम पुरुष, अद् विधिलिङ्ग प्रथम पुरुष, दिव् लट् प्रथम पुरुष, चुर् आत्मनेपद लोट् के उत्तम पुरुष के रूप लिखिए।

32. गङ्गे अमू, पुना रमते, शिवच्छाया, तट्टीका, विद्वाँल्लिखति, में सन्धि विच्छेद कीजिए तथा सन्धि की स्थिति में सन्धि का नाम भी लिखिए।

भाग - स **अंक - 100**

नोट : किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक निर्धारित हैं। उत्तर 200 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये।

33. कादम्बरी के अनुसार बाणभट्ट की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

34. भगवद्‌गीता की शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

35. 'माघे सन्ति त्रयोगुणाः' कथन की सारगर्भित समीक्षा कीजिए।

36. उपनयन संस्कार पर निबन्ध लिखिए।

38. सम्प्रति सम्पूर्णे विद्वत्समाजे कविकुलगुरोः कालिदासस्य नाम सादरं सगौरवं स्मर्यते। एतद्विलिखितानि दृश्य श्रव्योभयविधानि काव्यानि सहृदयानां हृदयानि समुल्लासयन्ति। प्रथितपराक्रमेण विक्रमेण सश्रद्धं समाद्रियमाणो देववाणीभूषणो महाकवि कालिदासो अनुपमया स्वप्रतिभया, बहु विषयविशेषज्ञतया, उपमार्थान्तारन्यासयोरलङ्कारद्वयोः अद्भुत प्रस्तुत्या स्वकीयप्रकृतिप्रेम्णा, संस्कृतिसंरक्षेण च महाकविषु विशिष्टस्थानार्होऽस्ति।

उपर्युक्त गद्यभाग का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

39. निम्नलिखित गद्यखण्ड का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :-

मानव में परोपकार की भावना ऐसा एकमात्र गुण है, जिससे प्राणियों में सुख की वृद्धि होती है। यह इसी का माहात्म्य है कि मानवों में समाजसेवा की भावना, देशभक्ति की भावना, दीनों के उद्धार की भावना और सहानुभूति विद्यमान है। परोपकार करने वाले का मन पवित्र, विनम्रता से भरपूर, दयायुक्त तथा सरस हो जाता है। परोपकारपरायण लोग दूसरों के कष्ट को अपना कष्ट मानकर, उस कष्ट को दूर करने का प्रयत्न किया करते हैं। अतएव परोपकारी व्यक्ति सभी व्यक्तियों में विशिष्ट स्थान का अधिकारी होता है।

SPACE FOR ROUGH WORK

कच्चे कार्य के लिये स्थान

SPACE FOR ROUGH WORK

कच्चे कार्य के लिये स्थान

SEAL

SEAL

SEAL